SPANISH CIVIL WAR (PART-3)

(स्पेन का गृह युद्ध)

For :P.G. Sem-2,CC-6

स्पेनी गृह युद्ध के प्रति विभिन्न राष्ट्रों की हित एवं दृष्टिकोण:

इटली- इटली ने जर्मनी की भांति जनरल फ्रैंको को निम्न कारणों से सैनिक सहायता दी-

1. इटली भी गणतंत्र का विरोधी था

2. उसका मत था कि संसार में दो विचारधाराओं लोकतंत्र वादी और एकतंत्र वादी का संघर्ष चल रहा है उसकी सहानुभूति जनरल फ्रैंको के साथ थी।

3. स्पेन में यदि मित्र सरकार स्थापित हो गई तो इटली भूमध्य सागर में इंग्लैंड और फ्रांस के प्रभाव को कम करके अपना प्रभाव बढ़ा सकेगा।

4. मित्र स्पेन की सहायता से अंग्रेजी जिब्राल्टर के लिए भी खतरा उत्पन्न किया जा सकेगा

Scanned with CamScanner

5. स्पेनी उपनिवेश में अड्डे बनाकर अंग्रेजी और फ्रांसीसी उपनिवेश को हानि पहुंचाई जा सकेगी

राष्ट्र संघ : स्पेन की गणतंत्र वादी सरकार ने राष्ट्र संघ से चार बार अपील की परंतु राष्ट्र संघ के सदस्यों की अकर्मण्यता ने उन अपीलों पर कोई महत्वपूर्ण कदम न उठाया। इंग्लैंड और फ्रांस स्पेन के गृह युद्ध को घरेलू मामला समझते थे और उसमें किसी प्रकार का विदेशी हस्तक्षेप न करना चाहते थे ।उनके प्रोत्साहन से 9 सितंबर 1936 को अनेक देशों ने लंदन में एक अंतरराष्ट्रीय समिति की स्थापना की। इसका उद्देश्य यह था कोई अन्य देश स्पेनी गृह युद्ध में किसी प्रकार का हस्तक्षेप ना करें और दोनों पक्षों में से किसी को भी युद्ध सामग्री न दें परंतु जनरल फ्रैंको जर्मनी और इटली से बराबर सैनिक सामग्री प्राप्त करता रहा था। उधर स्पेन की गणतंत्रीय सरकार को रूस के अतिरिक्त और किसी देश से सैनिक सहायता न मिली। कुछ समय पश्चात रूस

Scanned with CamScanner

ने भी अकेले सहायता देना बंद कर दिया। ऐसी परिस्थिति में गणतंत्र वादी सरकार की पराजय अवश्यंभावी थी।

स्पेन गृह युद्ध का प्रभाव

1. इस युद्ध में भारी धन -जन की हानि हुई। अनुमानतः इसमें 10 लाख आदमी मारे गए और 15लाख आदमी घायल तथा निर्वासित हुए।
2. स्पेन के नगर, बंदरगाह , रेलवे, पुल आदि को काफी नुकसान पहुंचा,
3. तानाशाह का गुट शक्तिशाली हो गया जिससे विश्व शांति के लिए भयंकर खतरा पैदा हो गया,
4. रूस पश्चिमी देशों से नाराज हो गया,
5. तानाशाह को यह विदीत हो गया कि पश्चिमी राष्ट्र और राष्ट्र संघ में उनके विरुद्ध कार्रवाई करने का साहस नहीं है ।अतःवे नवीन आक्रमणों की योजना बनाने लगे।

Scanned with CamScanner

6. स्पेन में सम्मिलित कार्रवाई करने से जर्मनी और इटली के संबंध और अच्छे हो गए।

BY: ARUN KUMAR RAI
Asst.Professor
P.G.Dept.of History
Maharaja Collage,Ara.

Scanned with CamScanner